SANSKRIT

Under Graduation
(B.A.)
Major

I Semester संस्कृत पद्य साहित्य एवं व्याकरण Course Code: A020101T

1. संस्कृत वाङ्मय मे व्याप्त पारंपरिक ज्ञान विज्ञान एवं राष्ट्र गौरव की भावना का विकास करना।
2. पशु- पक्षियो के प्रति सम्मान , प्राणी मात्र की रक्षा की भावना का विकास करना।
3. राजनीति के गूढ़ तत्वों का ज्ञान, प्रजापालन की भावना का विकास करना।
4. जीवन प्रबंधन, सत्संगति , परोपकार की भावना का विकास करना ।
5. संस्कृत भाषा - ज्ञान, सम्भाषण , लेखन , व्याकरण का ज्ञान कराना।

I I Semester गद्य साहित्य, अनुवाद एवं संगणक अनुप्रयोग Course Code: A020201T

1. गद्य साहित्य का सामान्य ज्ञान
2. गद्य काव्य के भेद से परिचय
3. राष्ट्रभक्ति की भावना
4. संस्कृत गद्य के धाराप्रवाह एवं शुद्ध वाचन का कौशल
5. संगणक का सामान्य ज्ञान व अधिगम क्षमता में वृद्धि
6. संगणक के प्रयोग के माध्यम से संस्कृत ज्ञान के प्रचार प्रसार एवं आदान प्रदान में कुशल
7. पारंपरिक एवं वैश्विक ज्ञान में सामाजिक से बनाकर ज्ञान में वृद्धि
8. जीविकोपार्जन के नए मार्ग खोजने का कौशल

III Semester संस्कृत नाटक एवं व्याकरण Course Code: A020301T

1. संस्कृत -नाट्य साहित्य को सामान्य रूप से समझना
2. नाटक की पारिभाषिक - शब्दावली से परिचय
3. नाटक में प्रयुक्त रस, छंद एवं अलंकारों का सम्यक् बोध
4. संवाद एवं अभिनय कौशल में पारंगत
5. नवीन पदों के ज्ञान द्वारा उनके शब्दकोश में वृद्धि
6. भारतीय सांस्कृतिक तत्वों एवं मूल्यों को आत्मसात् करना
7. भारतीयता के गर्वबोध से युक्त हो उत्तम नागरिक बनना
8. व्याकरणपरक शब्दों की सिद्धि प्रक्रिया का ज्ञान
9. व्याकरणशास्त्र के ज्ञान के माध्यम से शुद्ध वाक्य विन्यास के कौशल का विकास

Department of Sanskrit
Raghunath Grils' Post Graduate College

IV Semester **काव्यशास्त्र एवं संस्कृत लेखन कौशल** **Course Code: A020401T**

1. काव्यशास्त्र के उद्भव और विकास से परिचय व काव्य शास्त्रीय तत्त्वों का ज्ञान
2. छन्द भेद व उनके नियमों का ज्ञान
3. संस्कृत अलंकारों के ज्ञान के माध्यम से काव्यसौंदर्य का बोध
4. कल्पनाशीलता एवं रचनात्मक क्षमता का विकास
5. शब्द ज्ञानकोष में वृद्धि
6. व्याकरण शास्त्र के ज्ञान के माध्यम से शुद्ध वाक्य विन्यास के कौशल का विकास
7. निबंध एवं अनुच्छेद लेखन क्षमता का विकास
8. संस्कृत पत्र लेखन कौशल का ज्ञान
9. अपठित अंश के माध्यम से विषयवस्तु अवबोध एवं अभिव्यक्ति के कौशल का विकास

V Semester **Paper I - वैदिक वाङ्मय एवं भारतीय दर्शन** **Course Code: A020501T**

1. वैदिक वाङ्मय एवं संस्कृति का ज्ञान
2. वैदिक एवं औपनिषदिक संस्कृति के प्रति गौरव बोध
3. वेदोक्त संदेशों एवं मूल्य के माध्यम से आचरण का उदात्तीकरण
4. उपनिषद् का सामान्य परिचय एवं निहित उपदेशों का अवबोध
5. भारतीय दार्शनिक तत्त्वों तत्वों का सामान्य ज्ञान
6. दार्शनिक तत्त्वों तत्वों में अनुस्यूत गुढ़ार्थ-बोध
7. भारतीय दर्शन में निहित उद्देश्यों एवं ज्ञान को आचरण में समाहित करने हेतु अभिप्रेरित करना
8. गीताज्ञान रहस्य द्वारा सृष्टि कल्याणार्थ भाव का विकास

V Semester **Paper II - व्याकरण एवं भाषा विज्ञान** **Course Code: A020502T**

1. भाषा विज्ञान के उद्भव एवं विकास का सामान्य ज्ञान
2. संस्कृत भाषा एवं व्याकरण की वैज्ञानिकता का बोध
3. भाषा एवं भाषा विज्ञान की उपयोगिता एवं महत्व
4. ध्वनि के प्रारंभिक एवं वर्तमान स्वरूप एवं ध्वनि परिवर्तन के कर्म के प्रति विश्लेषणात्मक दृष्टि
5. पदों की सिद्धि प्रक्रिया के माध्यम से शब्द निर्माण की वैज्ञानिकता
6. संस्कृत भाषा के उच्च शुद्ध उच्चारण एवं लेखन कौशल विकसित

Department of Sanskrit
Raghunath Grils' Post Graduate College
Meerut

VI Semester **Paper I- आधुनिक संस्कृत साहित्य** **Course Code: A020601T**

1. आधुनिक संस्कृत कवियों के परिचय से अवगत कराना
2. नवीन- बिम्बविधानों एवं नवीन- विषयों का ज्ञान
3. आधुनिक संस्कृत साहित्य के बाल साहित्य से परिचय
4. आधुनिक संस्कृत साहित्य में विद्यमान नैतिक एवं कल्याणपरक तथ्यों से आत्मोत्कर्ष की अभिप्रेरणा
5. आधुनिक संस्कृत साहित्य में निहित उद्देश्य एवं ज्ञान को आचरण में समाहित करना

VI Semester **Paper II- योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा** **Course Code: A020602T**

1. भारतीय योगशास्त्र का प्राचीन एवं वैज्ञानिक ज्ञान
2. योगशास्त्र के मूलभूत सिद्धांत एवं योग का महत्व
3. योग के वास्तविक स्वरूप के अवबोध द्वारा योग को जीवन में समाहित करना
4. योग के षट्कर्म, आसन, प्राणायाम एवं बन्धों के सैद्धांतिक एवं व्यवहारिक दोनों पक्षों को समान रूप से सीखना
5. योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा के अनुप्रयोग द्वारा स्वस्थ समाज का निर्माण करना

(B.A.)
Minor

Sem.I **Course Title: संस्कृत साहित्य में राष्ट्र चिन्तन**

1. विद्यार्थी संस्कृत साहित्य का सामान्य परिचय प्राप्त कर सकेंगे।
2. वैज्ञानिक भाषा के रूप में संस्कृत भाषा के महत्व एवं उसकी वर्तमान प्रासंगिकता का बोध प्राप्त करेंगे।
3. नैतिक मूल्यों से परिचित होकर उनके अनुपालन हेतु प्रेरित होंगे ।
4. भारत की विशेषताओं के विषय में जानेंगे ।
5. विद्यार्थी लोकाचार का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करेंगे ।
6. संस्कृत साहित्य में वर्णित राष्ट्रचिन्तन के विचारों से अवगत होंगे ।

Department of Sanskrit
Raghunath Grils' Post Graduate College
Meerut

Sem.II **Course Title: भारतीय संस्कृति एवं संस्कृत**

1. भारतीय धर्म दर्शन, नीतिशास्त्र एवं भारतीय संस्कृति के मूल तत्वों को जानकार उत्तम चरित्रवान् मानव एवं कुशल सामाजिक बनेंगे।
2. वैदिक लौकिक संस्कृत साहित्य में निहित, नैतिकता एवं आध्यात्मिकता का अनुभव कर भारतीय संस्कृत एवं साहित्य के महत्व को वैश्विक स्तर पर पहुँचाने में सक्षम होंगे।
3. सहज एवं स्वाभाविक रूप से संस्कृत भाषा में लेखन वाचन एवं अध्ययन की दक्षता प्राप्त करेंगे
4. समसामयिक समस्याओं के समाधान हेतु संस्कृत साहित्य में निहित ज्ञान विज्ञान के प्रति शोधपरक दृष्टि का विकास होगा
5. विभिन्न संस्थानों में प्रयुक्त ध्येय वाक्यों के अर्थ से परिचित होंगे तथा उनकी सार्थकता का ज्ञान प्राप्त करेंगे

Sem.III **Course Title: भारतीय गौरव एवं आर्षकाव्य**

1. भारतीय गौरव के आधारभूत ग्रन्थ रामायण एवं महाभारत का सामान्य परिचय प्राप्त करेंगे।
2. रामायण महाभारत में निहित, धर्म-दर्शन, आचार-व्यवहार नैतिकता तथा आदर्श सम्बन्धी तत्वों का ज्ञान प्राप्त कर उत्तम चरित्र निर्माण हेतु प्रेरित होंगे।
3. वैदिक मन्त्र एवं गीता के अध्ययन से आध्यात्मिकता को अनुभूत कर भारतीय संस्कृति के महत्व को वैश्विक स्तर तक पहुँचाने में सक्षम होंगे।
4. आर्षकाव्यों की भाषा, शैली, सौन्दर्य एवं परवर्ती साहित्य पर उनके प्रभाव का ज्ञान प्राप्त करेंगे।
5. समाज के विविध स्वभाव वाले व्यक्तियों से सामंजस्य स्थापित करने में सक्षम होंगे।
6. संस्कृत की सरल, सहज, भाषा से परिचित होकर लेखन, वाचन एवं अध्ययन की क्षमता प्राप्त कर सकेंगे।

Sem.IV **Course Title: प्राचीन एवं अर्वाचीन संस्कृत साहित्य**

1. प्राचीन एवं अर्वाचीन संस्कृत साहित्य से परिचित होगें तथा तुलनात्मक ज्ञान प्राप्त करेंगे।
2. प्राचीन साहित्य से अध्यात्मिक तथा नैतिक चेतना प्राप्त कर भारतीय संस्कृति को वैश्विक स्तर तक पहुँचाने में सक्षम होंगें।
3. संस्कृत साहित्य की आधुनिक रचनाओं से परिचित होंगे तथा संस्कृत भाषा के महत्व को वैश्विक स्तर पर स्थापित करने में सक्षम होंगे ।
4. भारत राष्ट्र के वैशिष्ट्य को जानने में सक्षम होंगें।

Department of Sanskrit
Raghunath Grils' Post Graduate College
Meerut

5. प्राचीन संस्कृत साहित्य के विषयों को वर्तमान एवं नवीन परिपेक्ष्य में अवलोकन कर नैतिकता तथा आधुनिक का सामंजस्य स्थापित करने में सक्षम होंगे।
6. राष्ट्रीय भावनाओं से ओतप्रोत राष्ट्रीय विभूतियों के चरित्र से प्रेरित होकर चरित्रवान एवं उत्तम नागरिक बनेंगें।

Department of Sanskrit
Raghunath Grils' Post Graduate College
Meerut